हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

8 RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:220 पृष्ठ:8 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, गुरूवार, 14 अगस्त 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने देहरादून को सौंपा योगा पार्क, एआई चैटबॉट और हरित नीति का तोहफ़ा

सीएम धामी ने 1,400 करोड़ की विकास परियोजनाओं के संकल्प के साथ रोपा एक लाखवां पौधा, नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

वीरेंद्र सिंह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के केदारपुरम में आधुनिक योगा पार्क का लोकार्पण करते हुए नगर निगम क्षेत्र के कई विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने एआई चैटबॉट 'निगम सारथी' लॉन्च किया, हरित नीति का दस्तावेज़ जारी किया और 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत रुद्राक्ष का पौधा रोपकर इस वर्ष का एक लाखवां पौधा रोपने का कीर्तिमान बनाया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि योगा पार्क न केवल स्वास्थ्य और फिटनेस का केंद्र होगा, बल्कि सामाजिक गतिविधियों को भी नई दिशा देगा।

उन्होंने याद दिलाया कि उत्तराखंड को योग और अध्यात्म की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है—इसी साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर देश की पहली 'योग नीति' लागू की गई है और गढ़वाल-कुमाऊं में स्पिरिचुअल इकोनॉमिक ज़ोन स्थापित किए जा रहे हैं।

नशा मुक्ति की अपील

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जनता को सामूहिक शपथ दिलाई और कहा कि ÷ड्रग्स फ्री उत्तराखंड÷ के लक्ष्य के लिए राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है। पिछले 3 वर्षों में 4,000 से अधिक तस्करों की गिरफ्तारी और 203 करोड़ से अधिक की नशीली सामग्री जब्त की गई है।

कार्यक्रम में विशेष घोषणाएं

राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सेनी ने उत्तरकाशी के धराली आपदा पीड़ितों के लिए एक माह का वेतन और सांसद निधि से 1 करोड़ देने की घोषणा की। मेयर सौरभ थपलियाल ने नगर निगम के कार्यों की जानकारी दी। विधायक उमेश शर्मा काऊ, विधायक सविता कपूर, नगर आयुक्त नमामि बंसल सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य विकास कार्य

शिलान्यास

गांधी पार्क विकास एवं सौंदर्यकरण – 164.33 लाख

नगर निगम टाउन हॉल जीर्णोद्वार व एफआरपी कार्य – ?232.50 लाख

लोकार्पण

वार्ड 33 यमुना कॉलोनी पार्क – 139.49 लाख

वार्ड 88 हरबाजवाला मछ्ली तालाब, वनीकरण व वाकिंग ट्रैक – 170.32 लाख

वार्ड 58 डिफेंस कॉलोनी केदारपुरम योगा पार्क व अन्य विकास कार्य – 437.07 लाख

भारत माता की जय से गूंजा देहरादून, सीएम धामी के साथ तिरंगे के रंग में रंगा जनसमूह

हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों संग निकली भव्य तिरंगा यात्रा, 'हर घर तिरंगा' अभियान का हुआ आगाज़

नवीन चौहान

देहरादून की सड़कों पर बुधवार को देशभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क से हाथ में तिरंगा थामे हजारों युवाओं, छात्र-छात्राओं, महिलाओं, बच्चों और जनप्रतिनिधियों के साथ भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया।

'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गूंजते वातावरण में तिरंगे की लहराती धारा देख हर कोई गर्व से भर उठा। इस अवसर पर सीएम धामी ने 'हर घर तिरंगा' अभियान (13-15 अगस्त) की औपचारिक शुरुआत की और सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा, तिरंगा केवल ध्वज नहीं, हमारी स्वतंत्रता, एकता और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है। इस स्वतंत्रता दिवस पर हर घर, प्रतिष्ठान और कार्यस्थल पर तिरंगा सम्मानपूर्वक फहराना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने इसे सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि भारत माता, स्वतंत्रता सेनानियों, शहीद सैनिकों, वीरांगनाओं और भारत के महान सपूतों के प्रति आभार व्यक्त करने का पावन अवसर बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के हर गांव, नगर और जनपद में निकल रही तिरंगा यात्राएं देशभक्ति की भावना को नई ऊँचाई दे रही हैं।

गांधी पार्क से शुरू हुई यह यात्रा राष्ट्रभक्ति के गीतों, नारों और तिरंगे की लहराती बयार के साथ आगे बढ़ी। जगह-जगह पर लोगों ने फूल बरसाकर यात्रा का स्वागत किया। देहरादून की गलियों में मानो पूरा भारत उमड़ आया हो।

मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार, गंगा कॉरिडोर और प्रमुख बाजारों में बदलेगा बिजली ढांचा

- ऋषिकेश में अंडरग्राउंड बिजली लाइन के लिए 547 करोड़ की केंद्र से मंजूरी

पथ प्रवाह

ऋषिकेश/देहरादून। गंगानगरी ऋषिकेश के प्रमुख बाजारों और मार्गों से बिजली के खतरनाक तारों का जाल हटने वाला है। केंद्र सरकार ने ऋषिकेश में विद्युत लाइनों के भूमिगतकरण और विद्युत प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 547.83 करोड़ की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना शहर के नागरिकों को स्थिर और सुरक्षित विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ बेहतर सौंदर्य भी प्रदान करेगी।

स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार, ऋषिकेश कुंभ क्षेत्र (गंगा कॉरिडोर) में बिजली लाइनों को भूमिगत किया जाएगा, जबकि ऋषिकेश, हरिद्वार और देहरादून में विद्युत प्रणाली को स्काडा (स्ष्टष्ठ) तकनीक से स्वचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा– ÷उत्तराखंड सरकार विद्युत अवसंरचना के आधुनिकीकरण के लिए लगातार

प्रयासरत है। इस परियोजना से ऋषिकेश के स्वरूप में बदलाव हो जाएगा और शहरवासियों को सुरक्षित व स्थायी बिजली आपूर्ति मिलेगी।÷

मिलेगी भीड़भरे बाजारों से राहत

अंडरग्राउंड केबलिंग से बाजारों में लटकते बिजली तार हट जाएंगे, जिससे न केवल सौंदर्य में सुधार होगा बल्कि आवाजाही भी सुगम होगी। साथ ही, आपदा या खराब मौसम के समय बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या भी काफी हद तक खत्म हो जाएगी। रखरखाव की लागत घटने और विद्युत अवसंरचना के जीवनकाल बढ़ने की भी उम्मीद है।

देहरादून में खुलीं 17 नई सस्ता गल्ला राशन दुकानें, 12 और के लिए टेंडर जारी

पथ प्रवाह

भीषण गर्मी, सर्दी और बरसात में घंटों लाइन में लगकर राशन लेने की मजबूरी अब कम होगी। जिलाधिकारी सविन बंसल के हस्तक्षेप से 17 नई सरकारी सस्ता गल्ला राशन दुकानें खुल गई हैं, जबकि 12 नई दुकानों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। डीएम सविन बंसल ने जिला पूर्ति कार्यालय में वर्षों से धूल खा रही नई दुकानों की प्रस्तावित फाइल को बाहर निकाला और तत्काल टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। इससे पहले, शहर के कई क्षेत्रों में एक ही दुकान पर अत्यधिक भीड़ और लंबी कतारों की शिकायतें मिल रही थीं।

उपभोक्ताओं को राहत, रोजगार का अवसर

नई दुकानों के खुलने से महिलाओं, बुजुर्गों और जरूरतमंदों को अब पास में ही राशन मिल सकेगा। इससे भीड़भाड़ कम होगी और साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

17 दुकानों का आवंटन पूरा

इन्वेस्ट उत्तराखंड पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। चयन समिति की संस्तुति के बाद विभिन्न नगर निगम/नगर पालिका क्षेत्रों में 17 दुकानों का आवंटन कर दिया गया है।

12 नई दुकानों के लिए टेंडर जारी

अब नगर निगम देहरादून, मसूरी और ऋषिकेश क्षेत्रों में निम्न स्थानों पर दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं–

देहरादूनः दून विहार जाखन, कनाटप्लेस चुक्खुवाला, मियावाला बालावाला, मोहकमपुर, ब्रहमणवाला, रायपुर प्रथम डांडा लखौण्ड (खुदानेवाला)

मसूरी : बार्लोगंज

ऋषिकेशः अम्बेडकर चौक, अद्वैतानन्द मार्ग, मुखर्जी चौक, इन्द्रा नगर, आशुतोष नगर

डीएम सविन बंसल ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने और उपभोक्ताओं की सुलभता के लिए यह कदम उठाया गया है।

शहरी आबादी बढ़ने के साथ नई दुकानों की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत फहराया तिरंगा, प्रदेशवासियों से की अपील

पथ प्रवाह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत तिरंगा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान आज जन-जन तक पहुंचकर राष्ट्रभक्ति का महाअभियान बन चुका है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि तिरंगा हमारी स्वतंत्रता, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि इस स्वतंत्रता दिवस पर सभी अपने घर, कार्यालय, दुकान आदि पर गर्व और सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं तथा देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर सेनानियों को नमन करें। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी आग्रह किया कि लोग तिरंगे के साथ अपनी फोटो लेकर harghartiranga.com पर अवश्य साझा करें, ताकि यह अभियान और अधिक प्रेरणादायक बन सके।

उत्तराखंड में विवाह पंजीकरण शुल्क में 250 की छूट अब 26 जनवरी 2026 तक

समान नागरिक संहिता नियमावली के तहत राज्य सरकार का जनहित निर्णय

पथ प्रवाह

राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता नियमावली के अंतर्गत विवाह पंजीकरण शुल्क में दी जा रही 250 की छूट की समय सीमा बढ़ाकर 26 जनवरी 2026 कर दी है। शासन का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को विवाह पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करना है। गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, यह छूट उन मामलों में भी लागू होगी। जिनका विवाह संहिता लागू होने से पहले हुआ, लेकिन पंजीकरण नहीं कराया गया। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि 6 जून 2025 को निर्धारित पंजीकरण शुल्क में दी गई यह छूट अब आगामी गणतंत्र दिवस तक जारी रहेगी। वहीं, सीएससी केंद्रों से सेवा लेने पर पूर्ववत 50 (जीएसटी सहित) शुल्क लागू रहेगा।

सीडीओ आकांक्षा कोन्डे ने की जलागम परियोजना की समीक्षा, 25 राजस्व गांवों में होगा संचालन

पथ प्रवाह

मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) आकांक्षा कोन्डे ने सोमवार को उत्तराखंड जलागम प्रबंधन एवं उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में परियोजना के विभिन्न घटकों और कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा हुई।

उप निदेशक एनएस. बरकाल ने प्रस्तुति देते हुए बताया कि टिहरी प्रभार, मुनिकीरेती द्वारा कांगड़ी-श्यामपुर यूनिट का संचालन किया

जाएगा। यह परियोजना लालढांग न्याय पंचायत के 11 ग्राम पंचायतों के 25 राजस्व गांवों में लागू होगी। उन्होंने परियोजना के चार प्रमुख घटकों और यूनिट कार्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यों की जानकारी भी दी। सीडीओ आकांक्षा कोन्डे ने परियोजना कार्यों के सुचारू संचालन के लिए संबंधित विभागों से सक्रिय सहयोग लेने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, सहायक निदेशक (मत्स्य), मुख्य कृषि अधिकारी और उप निदेशक (जलागम) सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरूकुल कांगड़ी में कर्मचारियों ने कुलसचिव प्रो सुनील को कार्यालय प्रवेश पर लगाई रोक, हंगामा

पथ प्रवाह

गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय, हरिद्वार में कुलसचिव पद को लेकर चल रहा विवाद 36 दिनों बाद भी शांत नहीं हुआ है। आज कुलसचिव सुनील कुमार कार्यालय पहुंचे, लेकिन शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने उन्हें कार्यालय में घुसने से रोक दिया। इस दौरान मौके पर तनाव बना रहा।

गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय में रेगुलेशन 2023 लागू किये जाने की मांग को लेकर कर्मचारी धरना दे रहे हैं। प्रायोजक संस्थाओं द्वारा नामित किये गए कुलाधिपति, कुलपति और कुलसचिव का विरोध किया जा रहा है। कर्मचारी यूजीसी रेगुलेशन 2023 लागू करने की मांग कर रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर 30 जुलाई से शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ विरोध में अनिश्चितकालीन धरना दे रहा है, जो अब असहयोग आंदोलन में बदल चुका है। बुधवार को कुलसचिव सुनील कुमार अपने कार्यालय में कार्य करने के लिए पहुंचे तो धरना दे रहे कर्मचारियों ने नारेबाजी कर उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। कर्मचारियों के विरोध के चलते सुनील कुमार अपने कार्यालय में नहीं जा सके, इस दौरान कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए वह वापस चले गए। सुनील कुमार का कहना है कि वे रोज कर्मचारियों से संवाद कर विवाद खत्म करने की कोशिश करेंगे। वहीं कर्मचारी संघ अध्यक्ष रजनीश भारद्वाज का आरोप है कि सुनील कुमार की नियुक्ति अवैध है, मामला कोर्ट में लंबित है और उनके पास कोई वैध लिखित आदेश भी नहीं है।

गुरुकुल पहुंचा पुलिस फोर्स

गुरुकुल में कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन और कुलसचिव सुनील कुमार को कार्यालय में घुसने से रोके जाने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। हंगामे की सूचना पर थाना कनखल पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। कनखल थाना प्रभारी चंद्रमोहन सिंह स्वयं अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। मोके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने विरोध कर रहे कर्मचारियों से वार्ता कर मामला सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। कर्मचारियों का कहना है कि उनसे वार्ता के दौरान जो भी सहमति बनायी जाती है उसे पूरा नहीं किया जाता। मामला कोर्ट में विचाराधीन है, ऐसे में जबरन कार्यालय में घुसने की कार्रवाई अवैध है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन में बजट वृद्धि गोवंश के लिए वरदानः त्रिवेन्द्र

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का अधिकार राज्यों के पास- प्रो. एस. पी. सिंह बघेल

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन के लिए बजट बढ़ाकर किया 3400 करोड़

पथ प्रवाह

नई दिल्ली। लोकसभा के मानसून सत्र में हरिद्वार सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के संबंध में पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल ने स्पष्ट किया कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए कानून बनाने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 246(3) के अनुसार राज्य विधानमंडलों के पास है, न कि केंद्र सरकार के पास।

हालाँकि, केंद्र सरकार गायों के संवर्धन, संरक्षण और पालन को बढ़ावा देने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। दिसंबर 2014 से राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू है, जिसका उद्देश्य देशी नस्ल की गायों का विकास और संरक्षण करना है। इस योजना को जुलाई 2021 में संशोधित और पुनर्संरेखित किया गया, और राज्यों की उच्च मांग एवं योजना की सफलता को देखते हुए, मार्च 2025 में सरकार ने 1000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया, जिससे 2021-22 से 2025-26 तक के लिए योजना का कुल परिव्यय 3400 करोड़ रुपये हो गया है। श्री बघेल ने इस बात को दोहराया कि देशी नस्ल के गोवंश का संरक्षण और संवर्धन राष्ट्रीय प्राथमिकता है, और इसके लिए राज्यों के साथ समन्वय में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि गाय हमारे कृषि, संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन में बजट वृद्धि यह दर्शाती है कि सरकार देशी नस्लों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के बजट में वृद्धि गौवंशो के लिए वरदान है इसके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं पशुपालन और डेयरी मंत्रालय का हार्दिक आभार।

'हर घर तिरंगा' अभियान देश में राष्ट्रगौरव और एकता की नई मिसाल : त्रिवेन्द्र सिंह रावत

पथ प्रवाह

नई दिल्ली। हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र से सांसद एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने आज दिल्ली स्थित अपने शासकीय आवास पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारी आज़ादी, शौर्य, त्याग और एकता का अमर प्रतीक है, जो हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्योति जलाता है।

श्री रावत ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान

आज पूरे देश में करोड़ों देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोते हुए राष्ट्रगौरव और देशभक्ति की भावना को और प्रबल कर रहा है। यह अभियान स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों के बलिदान को स्मरण करने और उनके सपनों को साकार करने का प्रेरक अवसर है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि इस स्वतंत्रता दिवस अपने-अपने घर, प्रतिष्ठान, कार्यस्थल और संस्थानों पर तिरंगा फहराएं, अमर सेनानियों को नमन करें, तथा तिरंगे के साथ अपनी तस्वीर ॾ़ुह्लद्द्ॾ़ुह्लह्लद्द-ह्ड्डठ्ठद्दड्ड.ष्शद्व पर साझा कर इस राष्ट्रीय महाअभियान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहभागी बनें।

डीपीएस रानीपुर में स्विमिंग चैंपियनशिप के तीसरे दिन खिलाड़ियों में जबरदस्त जोश

पथ प्रवाह

दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर, हरिद्वार में चल रही चार दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर 19 नार्थ जोन 1 स्विमिंग ब्वायज़ चैंपियनशिप 2025 के तीसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का दिल जीत लिया।

नोएडा और देहरादून क्षेत्र के 126 विद्यालयों से आए 469 तैराक अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्गों में पदक के लिए पूरी ताकत से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। प्रशिक्षकों और बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावकों का उत्साह भी देखते ही बन रहा है।

प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम जग्गा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए विजेताओं को पदक प्रदान किए। इस अवसर पर सीबीएसई पर्यवेक्षक सुरेश देशवाल, तकनीकी विशेषज्ञ अजय चौहान और उपप्रधानाचार्य पविंदर सिंह उपस्थित रहे।

मुख्य परिणाम (प्रथम, द्वितीय, तृतीय)

400 मीटर फ्रीस्टाइल (-19)= आरुष मॉल, हरित ओबेरॉय, अद्यंत नंदी

400 मीटर फ्रीस्टाइल (-17)= शौर्य चौधरी, तेजस कुमार, आदित्य नेगी

400 मीटर फ्रीस्टाइल (-14)= अचिंत्य उपाध्याय, अरिहंत सरमाह, यशवर्धन सिंह चौहान

50 मीटर बैक स्ट्रोक (-11)= आयु त्यागी, जिगर शर्मा, श्लोक गुरुराज कुलकर्णी

50 मीटर बैक स्ट्रोक (-14)= अयान विश्नोई, सात्विक देबदास, आमेर सोगानी

50 मीटर बैक स्ट्रोक (-17)= रितेश सिंह अग्रवाल, विष्णु नारायण राय, अनिष्क रावत

50 मीटर बैक स्ट्रोक (-19)= वेदांत चंद्रा, सहज ढींगरा, अविरल

100 मीटर बटरफ्लाई (-14)= अचिंत्य उपाध्याय, फवाद मोहम्मद खान, देवांश

100 मीटर बटरफ्लाई (-17)= शिवांश मिश्रा, वरुण ओरुगांती, करण नेगी

100 मीटर बटरफ्लाई (-19)= शौनक मलिक, ओम त्यागी, शिशांत सिंह

200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक (-14)= नील त्रिपाठी, भूमित नेगी, आदित्य पारलेवार

200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक (-17)= देव भारद्वाज, शिवम धपोला, अर्जित श्रीवास्तव

200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक (-19)= अंशुमान भट्ट, सक्षम त्यागी, कनिष्क जोशी

4म50 मीटर मेडले रिले (-11)= शिव नादर स्कूल, स्टेप बाय स्टेप स्कूल, ज्ञानश्री स्कूल

4म100 मीटर मेडले रिले (-14)= ज्ञानश्री स्कूल, डीपीएस गामा सेक्टर, लिटिल स्कॉलर्स काशीपुर

चैंपियनशिप का समापन 14 अगस्त को होगा।

डीएम सविन बंसल ने बैंक की काट दी आरसी, विधवाओं और नौनिहालों संग की धोखाधड़ी

पथ प्रवाह

बैंक ऋण बीमा के बावजूद विधवाओं और नन्हें बच्चों को वसूली के लिए परेशान करने वाले बैंकों पर देहरादून जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कैनफिन होम लि. के प्रबंधक पर 22 लाख और एचडीएफसी बैंक के प्रबंधक पर 12.74 लाख रुपये की आरसी काटी है। दोनों बैंक अब सील, नीलामी या ठप्प होने की कार्रवाई के दायरे में हैं।

उर्मिला का मामला

जीवनगढ़ निवासी उर्मिला के पति महिपाल सिंह ने 2022 में एचडीएफसी बैंक से ऋण लिया था। बैंक ने ऋण का बीमा भी कराया और प्रीमियम की किस्तें जमा थीं। महिपाल सिंह की मृत्यु के बाद बैंक ने इंश्योरेंस क्लेम करने के बजाय परिवार को वसूली नोटिस भेजना शुरू कर दिया। शिकायत पर डीएम ने एचडीएफसी बैंक प्रबंधक पर 12.74 लाख रुपये की आरसी काट दी।

माला देवी का मामला

जीएमएस रोड निवासी माला देवी के पति उदय शंकर ने कैनफिन होम लि. से 20 लाख रुपये का गृह ऋण लिया था। बीमा और किस्तें जमा होने के बावजूद 20 जनवरी 2025 को पति की मृत्यु के बाद बैंक व इंश्योरेंस कंपनी ने कोई कार्रवाई नहीं की और परिवार को परेशान किया। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई। डीएम ने इस पर कैनफिन होम लि. प्रबंधक पर 22 लाख रुपये की आरसी काटी।

डीएम का सख्त रुख

जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि आश्रितों का शोषण करने वाले बैंकों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री की कार्यशैली से प्रेरित जिला प्रशासन लगातार ऐसे मामलों में सख्त फैसले ले रहा है। इससे बैंक प्रबंधन में प्रशासन का खौफ साफ देखा जा सकता है।

पुरूषों को अश्लील इशारे करने वाली चार महिलाएं गिरफ्तार

पथ प्रवाह

धर्मनगरी का माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ हरिद्वार पुलिस की कड़ी कार्यवाही सामने आयी है। कोतवाली नगर पुलिस ने बस अड्डे और रेलवे स्टेशन के पास औचक छापेमारी कर चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। ये महिलाएं राहगीरों को लुभाने के लिए अश्लील इशारे कर रही थी। पुलिस के मुताबिक कुछ महिलाओं द्वारा अश्लील इशारे कर परेशान करने के संबंध में स्थानीय लोगों एवं यात्रियों द्वारा की जा रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए सिटी हरिद्वार कोतवाली पुलिस ने बुधवार को बस अड्डे और रेलवे स्टेशन के पास औचक दबिश दी। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा दिए गए निर्देश पर की गई इस छापेमारी में रेलवे स्टेशन के गेट न0 5 के पास से 04 महिलायें जो सार्वजनिक स्थानो पर अश्लील इशारे कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हुए पकड़ा गया। कोतवाली हरिद्वार में उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही का स्थानीय व्यापारियों, आमजन एवं यात्रियों द्वारा स्वागत करते हुए धर्मनगरी का माहौल बिगाड़ रहे इन तत्वों पर निरंतर कार्यवाही करने का आग्रह किया गया। गिरफ्तार महिलाओं में एक बिजनौर, एक सहारनपुर, एक सोनीपत और रोशनाबाद हरिद्वार की रहने वाली है।

धराली आपदा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को सौंपा एक करोड़ का योगदान

पथ प्रवाह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज मुख्यमंत्री आवास में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। इस दौरान बैंक द्वारा उत्तरकाशी जिले के धराली एवं हर्षिल क्षेत्र में आई आपदा से प्रभावित लोगों के राहत कार्यों के लिए ?1 करोड़ की सहायता राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के इस योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभिन्न संस्थाओं द्वारा आपदा पीड़ितों की सहायता के लिए दिया जा रहा सहयोग सराहनीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि ऐसी संवेदनशील पहलें प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास और पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर अपर सचिव मनमोहन मैनाली, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया देहरादून से अर्चना शुक्ला, बिभूति भूषण राउत तथा मनोहर सिंह उपस्थित रहे।

उत्तराखंड विजिलेंस रिश्वत के मामलों में अब पहले मुकदमा, फिर गिरफ्तारी

पथ प्रवाह

सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) उत्तराखंड ने 23 साल बाद अपनी कार्रवाई की कार्यशैली में बड़ा बदलाव किया है। अब राज्य में रिश्वतखोरी की शिकायत मिलने पर विजिलेंस पहले मुकदमा दर्ज करेगी और उसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी होगी। इस नई व्यवस्था को लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है।

अब तक विजिलेंस की कार्रवाई में आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने के बाद ही मुकदमा दर्ज होता था, जबकि ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की तर्ज पर अब विजिलेंस पहले केस दर्ज कर गिरफ्तारी करेगी। अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से भ्रष्टाचार के मामलों में पारदर्शिता और प्रभावशीलता बढ़ेगी, साथ ही मुकदमा दर्ज होते ही आरोपी की पहचान उजागर हो सकेगी।

विजिलेंस ने जनता से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी सरकारी कार्य के बदले रिश्वत मांगता है तो इसकी शिकायत टोल फ्री नंबर 1064, व्हाट्सऐप नंबर 9456592300 या ई-मेल vighq-uk@nic.in पर दर्ज कराएं। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

संपादकीय

भारत को युद्ध के लिए उकसा रहा है पाकिस्तान?

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर ने एक बार फिर अमेरिका की धरती से भारत को परमाणु युद्ध की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है इस्लामाबाद को भारत से अस्तित्व का खतरा महसूस हुआ तो वे ऐसी ?स्थिति में आधी दुनिया को अपने साथ ले डूबेगा। यह अपने तरह का पहला मामला है। अमेरिका जाकर पाकिस्तान के जनरल आसिफ मुनीर भारत को इस तरह की धमकी दे रहे हैं। मुनीर ने अमेरिका में कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। उन्होंने सिंधु नदी को लेकर भी भारत के ऊपर निशाना साधा। उन्होंने सीधे-सीधे यह धमकी दी, भारत के बांध बनाने का पा?किस्तान इंतजार करेंगा, यदि भारत बांध बनता है, तो पा?किस्तान की 10 मिसाइलें उसे नष्ट कर देंगी, उनके पास मिसाइल की कोई कमी नहीं है। असीम मुनीर ने भारत की तुलना हाईवे पर दौड़ती हुई मर्सिडीज़ कार और पाकिस्तान को कंकर पत्थरों से भरे डंपर ट्रक से करते हुए कहा, अगर ट्रक कार से टकराता है, तो कार को ही नुकसान होता है, ट्रक को कोई नुकसान होने वाला नहीं है। उन्होंने भारत के बारे में कहा, भारत खुद को एक विश्व गुरु के रूप में पेश करता है, जो किसी भी रूप में संभव नहीं है। मुनीर ने अमेरिका के राजनेताओं के साथ-साथ सैन्य अधिकारियों से बातचीत की। पाकिस्तान के प्रवासियों से उन्होंने चर्चा की। जनरल मुनीर का अमेरिका का यह दूसरा दौरा है। दूसरे दौरे में अमेरिका ने बलूचिस्तान की विद्रोहियों को आतंकी संगठन घोषित करा दिया है। जो यह बताता है, अमेरिका के रिश्ते पाकिस्तान के साथ भारत की तुलना में बहुत बेहतर हैं। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को लगातार सहायता दी जा रही है। अमेरिका से तेल समझौते के अलावा और कई अनुबंध अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ किए हैं। जो आगे चलकर भारत के लिए चुनौती के रूप में सामने होंगे। भारत ने जब सीज फायर की घोषणा की थी, उस समय कहा था पाकिस्तान सीजफायर के लिए गिडगिड़ा रहा था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में जो नुकसान पहुंचाया उससे घबराकर पाकिस्तान ने भारत के सामने जब आत्मसमर्पण किया, तभी हमने सीज फायर का प्रस्ताव स्वीकार किया। जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रेड डील को लेकर टैरिफ लगाकर भारत को धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। इस तरह से पाकिस्तान भी सीज फायर के बाद से लगातार भारत को धमका रहा है। भारत सरकार की चुप्पी से समझ में नहीं आ रहा है, भारत सरकार उन्हीं की भाषा में जवाब क्यों नहीं दे रही हैफ अमेरिका को लेकर यह चुप्पी फिर भी समझी जा सकती है। लेकिन पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर रोजाना भारत को धमकियां दे रहे हैं। इस पर भारत सरकार चुप क्यों है। लोग तो यह भी कहने लगे हैं कि पाकिस्तान जानबूझकर धमकी दे रहा है। ताकि एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हो। इसमें कहीं ना कहीं अमेरिका भी पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रख रहा है। इससे यही समझ आता है, भारत सरकार चुप रहने के लिए विवश है। भारत सरकार को पाकिस्तान और अमे?रिका से ?मिल रही धमकियों का जवाब देना चाहिए। ट्रंप यदि अपनी सीमा रेखा लाँघ रहे हैं तो भारत का वह सम्मान नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें भी मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। मोदी सरकार की यदि चुप्पी बनी रहती है तो यह भारत और सरकार दोनों के लिए खराब है। मोदी सरकार कुछ ?छिपाने के चक्कर में अपने ही मकड़जाल में फंसती जा रही है। जो पा?किस्तान सीज फायर के ?लिये ?गिड़?गिड़ा रहा था, वही पा?किस्तान अब आंखे क्यों ?दिखा रहा है। भारत सरकार और सेना को वर्तमान ??स्थि?ति में सतर्क रहने की जरुरत है।

यशोदानंदन नटखट श्री कृष्ण

डॉ. रीना मालपानी

ममता के माधुर्य का अनूठा रसास्वादन कराने वाले श्री कृष्ण की महिमा अवर्णनीय है। इतना मनमोहक बालक जिसका जन्म आज तक हर माँ की ममता को मोहित कर देता है। ऐसा अनूठा बालक जिसकी लीलाएँ माँ के हृदय को अचंभित और आश्चर्यचकित कर देती है और एक अलौकिक दुनिया में ममत्व की पराकाष्ठा का उन्नयन करती है। ऐसा बालक जो अपने लीलाओं से माँ को सदैव चिंतित बनाता है और राक्षसों का क्षण भर में संहार कर नारायण की शक्ति को उजागर करता है। संकल्प मात्र से हर वस्तु प्रकट करने वाला नन्हा बालक मईया के कहने पर गौ चराता है। गाय का पालन करता है और गोपाल कहलाता है। भाव को अर्पित करने वाली गोपियों के साथ रास करता है। जिस अद्वितीय बालक की मनमोहक छवि का दर्शन करने स्वयं कैलाशपति महादेव प्रतीक्षा करते है। प्रभु किसी विशेष चीज से प्रसन्न नहीं होते है, समस्त द्रव्यावली सिर्फ हमें भाव से जुड़ने को प्रेरित करती है क्योंकि प्रभु के लिए दुनिया की प्रत्येक वस्तु तुच्छ है, पर भाव से अर्पित करने पर उन्हें विदुर का साग और शबरी के झूठे बेर भी सहर्ष स्वीकार होते है। जिस कृष्ण ने पूतना, बकासुर, अघासुर जैसे दैत्यों का नाश किया पर वही कृष्ण लीला को परिपूर्णता से निर्वहन करते हुए अपने माता-पिता को एक निश्चित अवधि के उपरांत ही कारावास से मुक्त करवाया, क्योंकि कृष्ण लीला में सुख-दुःख का समन्वय निहित है।

प्रत्येक गोपी के मन में मातृत्व प्रेम जगाने वाले श्री कृष्ण माखनचोर बन उनके साथ क्रीड़ा करते है। श्यामवरण होने के बावजूद कितने सम्मोहक बालक थे श्री कृष्ण, क्योंकि वे समता के भाव का प्रदर्शन करना चाहते थे। स्नेह, करुणा, ममता के भावों से प्रफुल्लित करने वाले नन्हें बालक श्री कृष्ण की माँ बनने का सौभाग्य तो हर माँ चाहती है, इसलिए वह मातृत्व की परिधि को कृष्ण लीला की ऊँचाइयों का स्पर्श कराना चाहती है। मथुरा में जन्मे श्री कृष्ण अपना बाल लीलाओं का निर्वहन करते हुए वृन्दावन, नन्दगाँव, गोकुल में अपना बाल्यकाल पूर्ण करते है। कृष्ण अपनी लीलाओं के अनुरूप विभिन्न नामों से सुशोभित होते है। मुरलीधर, माखनचोर, नंदलाला, माधव, केशव, मधुसूदन, गोविंदा, मोहन, घनश्याम, कन्हैया, कान्हा हर स्वरूप में अपनी अविस्मरणीय छवि से शोभित होते है। कृष्ण शब्द स्वयं आकर्षण स्वरूप है। वे हर किसी को आकर्षक एवं प्रिय लगते थे। गोपियाँ कान्हा से मिलने के लिए आधी रात को घर छोड़ दिया करती थी। ये सभी गोपियाँ पूर्व जन्म में संत स्वरूप थी।

जब हम भगवान के शरणागत हो जाते है तब वे भक्त की मनोकामना पूर्ण करने के लिए हर स्वरूप धारण करते है। पुत्र, प्रेमी, प्रभु, सखा इत्यादि। जब कृष्ण का जन्म हुआ तब सब ने यही कहा कि नन्द के यहाँ आनंद स्वरूप ने जन्म लिया, जो सबको आनंद की अद्वितीय अनुभूति कराएगा। हमारा स्वभाव है कि हम ईश्वर को सदैव दुःख के समय याद करते है और भक्त वत्सल भगवान, करुणा के अवतार भगवान हमें तब भी स्वीकार कर लेते है। गज की पुकार पर नारायण त्वरित प्रकट होते है और सशरीर उसे मोक्ष प्रदान करते है इसके साथ ही वे मगर का भी उद्धार करते है, अर्थात जो भगवान के भक्तों के चरण पकड़ता है उसका उद्धार भी निश्चित होता है। द्रौपदी ने जब गोविंद को पुकारा और श्री कृष्ण के प्रति समर्पित हो गई तब श्री कृष्ण द्रौपदी के रक्षक बन गए, क्योंकि भगवान श्री कृष्ण कहते है कि मेरे भक्त का मैं कभी पतन नहीं होने देता। द्रौपदी को जब तक भीष्म, द्रौण, पांडवों पर विश्वास था तब तक वही दुःखी थी, परंतु जब गोविंद की शरणागति हो गई, तो वह निश्चिंत हो गई, अर्थात मेरी लाज भी तेरी और सम्मान भी तेरा।

भारत विभाजन तत्कालिक आवेश से नहीं, सुनियोजित साजिश के तहत हुआ

डॉ राघवेंद्र शर्मा

भारत के विभाजन की भूमिका तभी बन चुकी थी, जब आजादी से पूर्व कांग्रेस द्वारा यह कहा गया कि जब तक स्वतंत्रता संग्राम में मुसलमान का सहयोग नहीं मिलेगा, तब तक आजादी संभव नहीं। दरअसल यही वह सोच है जिसने एक विध्वंसकारी योजना को बाद में फलीभूत किया और भारत आजाद होने से पहले ही दो हिस्सों में विभाजित हो गया। आखिर तो मुसलमान इसी देश का नागरिक था और है भी। भारत को आजादी दिलाने की तड़प जितनी हिंदुओं में थी, स्वाभाविक है उतनी ही मुसलमानों के मन में भी रही होगी?। जाहिर है, जब दो भाइयों के,साझा घर पर हमला हुआ था तो उन्हें स्वाभाविक रूप से एक साथ दुश्मनों से लोहा लेना ही था। लेकिन कांग्रेस के नेताओं द्वारा यह संदेह प्रकट किया जाना कि यदि भारत की आजादी सुनिश्चित करनी है तो मुसलमान को इसके लिए मनाना होगा! तो क्या कांग्रेस यह मान चुकी थी कि देश का तत्कालीन मुसलमान भारत की आजादी के लिए अंग्रेजों से लड़ने को तैयार नहीं था? और वह वतन से गद्दारी कर रहा था! इससे स्पष्ट हो जाता है कि भारत का विभाजन तत्कालीन भावावेश का परिणाम नहीं था, बल्कि यह एक सोची समझी सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। वह साजिश जिसे साकार करने के लिए एक विदेशी व्यक्ति ने कांग्रेस की नींव रखी। यह भी काबिले गौर है कि बड़े ही आश्चर्यजनक ढंग से कांग्रेस को और कांग्रेस में भी खासकर नेहरू परिवार को देश की आजादी का श्रेय मिलता चला गया। जबकि आजादी के लिए फांसी के फंदों पर झूल गए, अंग्रेजों द्वारा गोलियों से भून दिए गए, युद्ध के मैदान में अंग्रेजों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए हजारों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को एक प्रकार से पूरी तरह भुला दिया गया। संदेह इसलिए भी गहरा है, क्योंकि भारत को आजाद करने के लिए उस वर्ग के व्यक्ति द्वारा कांग्रेस का गठन किया गया जो तत्कालीन सत्ता धारी अंग्रेजों की ?जमात से ही आता था। शोध का विषय है कि एक अंग्रेज को ऐसी क्या पड़ी थी, जो उसने एक ऐसे संगठन की रचना कर डाली जो उसी के समाज और वर्ग के खिलाफ लड़ाई लड़ने जा रहा था। जाहिर है यह एक साजिश थी, जिसके तहत अंग्रेजों द्वारा यह साबित किया जाना था कि वे लोग रानी लक्ष्मीबाई, सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, वीर सावरकर या सुभाष चंद्र बोस आदि की आक्रामकता से डर कर नहीं भाग रहे, बल्कि गोरों का मन कांग्रेस के अहिंसक आंदोलन से पसीज गया, इसलिए त्याग स्वरूप राज पाट छोड़कर वापस इंग्लैंड लौट गए। लेकिन भारत पर राजपाट करना केवल हमें आता है, यह साबित करने के लिए आजादी के ठीक पहले विभाजन की लकीर खींचकर अराजकता के हालात निर्मित किए गए।

विश्व स्तर पर यह संदेश पहुंचाने के लिए ही देश के विभाजन की तैयारियां उसकी आजादी से पहले पूरी कर दी गईं। इससे यह बात पुनः एक बार पुष्ट हुई कि आजादी में मुसलमान के अनिवार्य सहयोग की भेदभावपूर्ण बात ऐसे ही नहीं कही गई थी। बल्कि पूरी तरह सोच समझकर अवसरवादी मुसलमान नेताओं की सोई हुई महत्वाकांक्षाओं को जगाया गया था। क्योंकि तत्समय कुछ पद लोलुप मुस्लिम नेताओं का यह तर्क था कि अंग्रेजों ने जब भारत में कब्जा जमाया तब भारत की बादशाहत दिल्ली के बादशाह बहादुर शाह जफर के पास थी। अतः अंग्रेजों को इंग्लैंड जाने से पहले सरकार मुगलों के वंशजों के हवाले करनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो मुस्लिम मजहब के नाम पर एक अलग देश की मांग करेंगे। वही हुआ, जब आजादी की बेला आई तो मुस्लिम लीग की ओर से दावा पेश हो गया। दावा यह कि आजादी हमारे सहयोग के बगैर संभव ही नहीं थी। अतः देश का प्रधानमंत्री हमें (मोहम्मद अली जिन्ना को) बनाया जाए वरना हमें हमारे मजहब के हिसाब से अलग मुल्क दे दिया जाए। येन-केन प्रकारेण सरकार पर कब्जा जमाने की जद्दोजहद में उलझी कांग्रेस द्वारा यह मांग मान लिए जाने से हालात कुछ ऐसे बिगड़े कि भारत आजाद बाद में हुआ, उसके टुकड़े पहले कर दिए गए।

अखंड भारत के मायने विश्व गुरु

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोडने़ की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है।

विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है।

भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं।

वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोडने़ का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

धराली आपदा पर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की सतत निगरानी, राहत-बचाव और सड़क बहाली में तेजी

हर्षिल–सोनगाड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण, सीमा सड़क संगठन को दिए अतिरिक्त प्रयास के निर्देश

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

धराली/उत्तरकाशी। धराली में आई भीषण आपदा के बाद जिलाधिकारी प्रशांत आर्य लगातार मौके पर मौजूद रहकर हालात की निगरानी कर रहे हैं। घटना के शुरुआती क्षणों से ही वे आपदा प्रभावित क्षेत्र में सर्च एवं रेस्क्यू अभियान, राहत सामग्री वितरण और आधारभूत संरचनाओं की बहाली की प्रक्रिया को व्यक्तिगत रूप से मॉनिटर कर रहे हैं।

फलस्वरूप, धराली में सर्च एवं रेस्क्यू कार्य तीव्र गति से चल रहा है, प्रभावित परिवारों को समय से सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है, आवश्यक रसद और जरूरतमंद सामग्री त्वरित पहुंचाई जा रही है। साथ ही, सड़कों की बहाली से लेकर हर्षिल में बनी आंशिक झील से पानी निकालने तक के त्वरित निर्णयों ने व्यवस्था में अपेक्षित सुधार लाया है।

बिजली-पानी बहाल, नेट कनेक्टिविटी आज शाम तक

धराली में बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल हो चुकी है। आज शाम तक इंटरनेट कनेक्टिविटी भी शुरू होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि डबरानी के पास ओएफसी लाइन कटने से नेटवर्क बाधित हो गया था।

रोजमर्रा की वस्तुएं और सभी जरूरी सामान प्रभावित परिवारों तक पहुंच चुके हैं। सड़कों के पूर्ण रूप से बहाल होने तक रसद और अन्य सामग्री धराली व अन्य प्रभावित क्षेत्रों के भंडारगृहों में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर हेलीकॉप्टर से भी आपूर्ति की जा रही है।

किसानों और बागवानों की नकदी फसल व सेब के नुकसान का आकलन उद्यान, कृषि और राजस्व विभाग ने पूरा कर लिया है। धराली में क्षतिग्रस्त सड़कों को सुचारू करने का काम जारी है।

सोनगाड़ में 400 मीटर सड़क ध्वस्त, ट्रांसशिप के जरिए यातायात

हर्षिल गाड़ में जमा मलबा हटने के बाद गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सोनगाड़ तक सुचारू हो जाएगा। वर्तमान में सोनगाड़ में जगह-जगह करीब 400 मीटर सड़क का हिस्सा पूरी तरह से ध्वस्त है।

अभी गंगोत्री से धराली और हर्षिल से सोनगाड़ तक यातायात ट्रांसशिप के माध्यम से चल रहा है। सोनगाड़ से डबरानी तक करीब 2 किलोमीटर का पैदल मार्ग है, जिसके बाद उत्तरकाशी के लिए सड़क यातायात सामान्य है।

जिलाधिकारी का स्थलीय निरीक्षण, बीआरओ को निर्देश

मंगलवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने हर्षिल से सोनगाड़ तक कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त सड़कों का स्थलीय निरीक्षण किया। सोनगाड़ के पास करीब 400 मीटर सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। जिलाधिकारी ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सड़क बहाली के लिए अतिरिक्त

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की कैबिनेट में 26 प्रस्तावों को मंजूरी — अग्निवीर, आरक्षण से लेकर धर्मांतरण कानून तक बड़े फैसले

पथ प्रवाह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई राज्य कैबिनेट बैठक में 26 अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिली। फैसलों में युवाओं, सुरक्षा, धर्मांतरण, आईटी, सहकारिता, औद्योगिक विकास, ऊर्जा, हवाई अड्डा विस्तार और धार्मिक यात्रा प्रबंधन तक के बड़े मुद्दे शामिल रहे।

प्रमुख निर्णय

अग्निवीरों को 10व क्षैतिज आरक्षण
पुलिस, गृह और वन विभाग में 10व क्षैतिज आरक्षण
आयु सीमा में विशेष छूट
2026 तक 850 से अधिक अग्निवीर लाभान्वित होंगे
धर्मांतरण कानून और सख्त
संशोधन के बाद कड़ी सजा व कार्रवाई का प्रावधान
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की नई नियमावली 2025

डिजिटल सेवाओं का विस्तार, ई-गवर्नेंस सशक्तीकरण, आईटी निवेश को बढ़ावा

वनीकरण निधि प्रबंधन नियमों में संशोधन
वन विकास कार्यों में पारदर्शिता व गति
सहकारिता सेवा मंडल नीति को मंजूरी
उत्तराखंड सहकारी संस्थागत सेवामंडल का गठन
चतुर्थ श्रेणी को छोड़ अन्य पदों की भर्ती IBPS के माध्यम से औद्योगिक भूखंड आवंटन/निरस्तीकरण नियमों में संशोधन
उत्तराखंड उच्चतर न्यायिक सेवा (संशोधन) नियमावली 2025 मंजूर
उत्तराखंड भू-संपदा नियामक प्राधिकरण (रेरा) की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 को विधानसभा में प्रस्तुत करने की मंजूरी
लखवाड़ बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना के भूमि अधिग्रहण दरों में संशोधन
उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड की वित्तीय रिपोर्ट 2021-22 विधानसभा में रखने की मंजूरी
विद्युत अधिनियम के अंतर्गत उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग के वार्षिक लेखा विवरण व रिपोर्ट 2023-24 विधानसभा में रखने की मंजूरी
उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लि. की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट को विधानसभा में रखने की मंजूरी

पंतनगर एयरपोर्ट विस्तार

310.60 करोड़ की संशोधित लागत, 22.73 करोड़ स्तस्ञ्ज माफ
पशुपालन विभाग सांख्यिकीय सेवा नियमावली 2025 का प्राध्यापन
उत्तराखंड वित्त सेवा (संशोधन) नियमावली 2025 मंजूर
विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार (स्ञ्ज्ञढ्ढ) नीति 2025 मंजूर
नगर निकाय चुनाव में ओबीसी सर्वे के लिए पूर्व हाईकोर्ट जज बीएस वर्मा की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय आयोग का गठन
बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में उपाध्यक्ष का नया पद
प्रादेशिक विकास सेवा नियमावली 2011 में संशोधन
उत्तराखंड पंचायतीराज (संशोधन) विधेयक 2025 को विधानसभा में पेश करने की मंजूरी
संविदा/दैनिक वेतनभोगियों की नियुक्ति के दिशा-निर्देश पर समीक्षा समिति गठन
UPDCC ढांचे का पुनर्गठन और 2 नई PIU का गठन
सिंचाई विभाग से सेवा स्थानांतरण पर 91 पद और बाह्य स्रोत से 4 पद सृजित
सहकारिता विभाग में भर्ती, प्रशिक्षण और कैडर प्रबंधन के लिए नई नीति
उद्योग स्थापना व निर्माण की नई मंजूरी प्रणाली
राज्याधीन सेवाओं में समूह 'ग' के वर्दीधारी पदों पर अग्निवीर आरक्षण नियमावली 2025
विभिन्न विभागों के वित्तीय प्रतिवेदन और विनियम विधानसभा पटल पर रखने की मंजूरी

डीएम मयूर दीक्षित एससी-एसटी अत्याचार निवारण समिति की बैठक में सख्त नाराज

पथ प्रवाह

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय कक्ष में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2024-25 के मामलों की समीक्षा में सामने आया कि कुल 69 प्रकरणों में 95 पीड़ित शामिल थे। इनमें से 75 को आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई, जबकि 67 को शासनादेश के अनुसार भुगतान हो चुका है। शेष 8 पीड़ितों को जाति प्रमाणपत्र न होने के कारण सहायता नहीं मिल पाई। इस पर नाराज़गी जताते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला समाज कल्याण अधिकारी अभिजीत सिंह को निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों में पीड़ितों से तत्काल संपर्क कर एक सप्ताह के भीतर प्रमाणपत्र जारी करवाना सुनिश्चित करें, अन्यथा लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि गरीब और वंचित वर्ग के पीड़ितों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई हो और शासनादेश के अनुसार समय पर आर्थिक सहायता दी जाए। उन्होंने पुलिस विभाग को भी निर्देश दिया कि जिन मामलों में प्राथमिकी दर्ज है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट लंबित है, उन्हें समय से उपलब्ध कराया जाए ताकि न्याय में देरी न हो। बैठक में भगवानपुर विधायक ममता राकेश, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, जिला समाज कल्याण अधिकारी अभिजीत सिंह, इंस्पेक्टर मनीष उपाध्याय, प्रत्यक्ष फाउंडेशन के गोपाल कुमार कुंडलीवाला, समाजसेवी अनूप कुमार, राजबहादुर सैनी समेत संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धराली-हर्षिल आपदा में राहत कार्य तेज़, हेली सेवा से पहुँची हजारों किलो खाद्य सामग्री व आवश्यक वस्तुएं

प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर पहुँच रही राहत सामग्री, डीएम स्वयं कर रहे निगरानी

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। धराली-हर्षिल आपदा प्रभावित क्षेत्रों में शासन और प्रशासन द्वारा निरंतर राहत सामग्री भेजी जा रही है, वहीं सर्च एवं रेस्क्यू अभियान भी बिना रुके जारी हैं। 5 अगस्त को आई इस भीषण प्राकृतिक आपदा से प्रभावित क्षेत्र का जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया था। इस दुखद परिस्थिति में शासन-प्रशासन पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटा है।

पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मिले और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य भी 5 अगस्त से मौके पर डटे हुए हैं और राहत एवं पुनर्वास कार्यों की हर पहलू से निगरानी कर रहे हैं।

हेली सेवा बनी जीवन रेखा

आपदा प्रभावित हर्षिल व आसपास के क्षेत्रों तक पहुँचने के लिए हेली सेवा के माध्यम से लगातार खाद्यान्न व राहत सामग्री भेजी जा रही है। प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक 7674 किलोग्राम खाद्यान्न (चावल, आटा, दाल, चीनी, नमक, मसाले), 446 लीटर रसोई तेल, 197 लीटर दूध, 286 खाद्यान्न पैकेट, 1646 एनर्जी पैकेट, 50 टेंट (2 व्यक्तियों के लिए), 10 टेंट (10 व्यक्तियों के लिए), 1200 गमबूट/चप्पल, 80 कंबल, 200 गद्दे, 700 ट्रैकसूट, 200 सेट किचन बर्तन, 200 पेटी पैक्ड पानी, 80 बाल्टी/मग, 196 पेटी हाइजीन सामग्री, 16.69 क्विंटल फल-सब्जियां, 13 पेटी बिस्कुट/चॉकलेट, 400 इमरजेंसी लाइट, 1562 लीटर डीजल और अन्य आवश्यक वस्तुएं पहुंचाई गई हैं।

इसके अलावा, 2 जेनरेटर, वायरक्रेट, बोट समेत कई जरूरी उपकरण भी हेलीकॉप्टर से भेजे गए हैं। प्राथमिक चिकित्सा किट, जीवनरक्षक दवाएं और अन्य राहत सामग्री भी त्वरित रूप से प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई जा रही हैं।

घर-घर जाकर वितरण, डीएम कर रहे निगरानी

प्रशासनिक टीम राहत सामग्री को घर-घर जाकर जरूरतमंदों तक पहुंचा रही है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य खुद इस वितरण प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं, ताकि कोई भी पीड़ित परिवार सहायता से वंचित न रह जाए।

कोई भूखा, बीमार या बेघर न रहे - डीएम

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा, ÷माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश हैं कि पीड़ितों के लिए हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें समय रहते राहत मिल सके। हमारी प्राथमिकता है कि किसी को भी भोजन, चिकित्सा या आवास की कमी न हो। प्रशासन पूरी तत्परता से राहत कार्य चला रहा है।

धराली-हर्षिल आपदा के बाद से राहत व पुनर्वास के इस मिशन में प्रशासन, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर दिन-रात काम कर रही हैं, ताकि प्रभावित लोगों का जीवन जल्द से जल्द सामान्य हो सके।

धराली पुनर्निर्माण की राह पर उच्चस्तरीय समिति का दौरा, पीड़ितों ने रखा 'नए धराली' का सपना

धराली आपदा पीड़ितों ने रखी मांग केदारनाथ की तर्ज पर हो गांव का पुनर्निर्माण

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

धराली/उत्तरकाशी। भागीरथी घाटी की शांत वादियों में बसा धराली गांव 5 अगस्त की दोपहर 1ः45 बजे अचानक तबाह हो उठा, जब खीर गंगा के तेज़ बहाव ने विकराल रूप धारण कर लिया। महज कुछ मिनटों में पानी, मलबा और बोल्डरों का सैलाब बस्ती में घुस आया, जिसने घरों, खेतों, बागानों और लोगों के सपनों को मलबे में बदल दिया। लेकिन मलबे के बीच उम्मीद के बीज भी पनप रहे हैं। बुधवार को शासन द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति ने धराली और आसपास के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर न केवल नुकसान का आकलन किया, बल्कि पुनर्निर्माण और आजीविका सुदृढ़ीकरण के लिए ठोस आश्वासन भी दिया।

इस समिति में सचिव राजस्व डॉ. सुरेंद्र नारायण पांडेय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी युकाडा डॉ. आशीष चौहान और अपर सचिव वित्त हिमांशु खुराना शामिल थे। दल ने धराली पहुंचकर प्रभावित परिवारों, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के साथ लंबी बैठकें कीं, उनके दर्द को सुना और सुझाव एकत्रित किए।

गांववालों की मांग धराली का पुनर्निर्माण भी केदारनाथ की तरह हो

बैठक में जांगला, लंका और कोपांग के ग्रामीणों ने सुरक्षित विस्थापन की मांग रखी। उन्होंने कहा कि धराली के पुनर्निर्माण का काम भी उसी संकल्प और भव्यता से हो, जैसा केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण में हुआ था। इस बीच आपदा पीड़ित कौशिक पंवार ने सेब उत्पादकों की मुश्किलों की ओर ध्यान दिलाया और सड़क मार्ग के पास सुरक्षित भंडारण शेड की आवश्यकता पर जोर दिया।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने भरोसा दिलाया कि सड़क बहाल होते ही शेड निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि किसानों की मेहनत का फल बर्बाद न हो।

सरकार हर कदम पर साथ खड़ी हैः सचिव राजस्व

समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र नारायण पांडेय ने कहा, ÷यह त्रासदी केवल भौतिक क्षति नहीं, बल्कि भावनात्मक चोट भी है। केंद्र और राज्य सरकार, शासन और प्रशासन इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। तात्कालिक और दीर्घकालिक, दोनों तरह के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा। धराली के पुनर्निर्माण के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार होगा और हरसंभव सहायता दी जाएगी।÷

सड़क बहाली युद्धस्तर पर, राहत कार्य निरंतर

डीएम प्रशांत आर्य ने बताया कि आपदा में क्षतिग्रस्त फसलों और सेब के वृक्षों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। सड़क मार्ग बहाली का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। प्रभावित परिवारों को राहत धनराशि प्रदान की जा चुकी है और खाद्यान्न व आवश्यक वस्तुएं लगातार पहुंचाई जा रही हैं। सर्च एवं रेस्क्यू अभियान भी तब तक जारी रहेगा, जब तक आखिरी प्रभावित को मदद न मिल जाए।

विस्थापन के लिए विकल्प चुनेंगे प्रभावित परिवार

मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आशीष चौहान और अपर सचिव हिमांशु खुराना ने स्पष्ट किया कि विस्थापन के लिए प्रभावित परिवारों को ऐसे विकल्प दिए जाएंगे, जो उनके जीवनयापन और आजीविका के अनुकूल हों। क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों का पूरा विवरण तैयार कर शासन को भेजा जाएगा, ताकि मुआवजा और सहायता में कोई देरी न हो।

धराली का संकल्प

धराली के लोग जानते हैं कि उन्होंने बहुत खोया है—अपने घर, अपने खेत, अपने पेड़, अपने प्रियजन। लेकिन वे यह भी जानते हैं कि पुनर्निर्माण के इस कठिन सफर में उनका साथ देने के लिए शासन-प्रशासन, समाज और पूरी घाटी खड़ी है। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनीता रावत, जगमोहन रावत, कौशिक पंवार, एसडीएम मुकेश रमोला, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ. रजनीश सिंह सहित कई अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होता, उनका ज्ञान सदैव समाज का पथ प्रदर्शन करता है - ऋतु खण्डूडी भूषण

पथ प्रवाह

विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि शिक्षक जीवनभर समाज के मार्गदर्शक बने रहते हैं, उनका ज्ञान और अनुभव कभी वृद्ध नहीं होता। वे सुंदरियाल वेडिंग प्वाइंट, पदमपुर में आयोजित जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ, पौड़ी गढ़वाल के सप्तम् त्रैवार्षिक जनपदीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं।

कार्यक्रम में विकासखंड दुगड्डा के प्राथमिक विद्यालयों से सेवानिवृत शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। संबोधन में ऋतु खण्डूडी ने कहा कि ÷माँ के बाद यदि कोई बच्चा सबसे अधिक समय किसी के साथ बिताता है तो वह उसका गुरु होता है। गुरु ही बच्चे को संस्कार और संस्कृति से सिंचता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार सरकारी विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को समय की मांग के अनुसार सुदृढ़ और आधुनिक बना रही है। शिक्षकों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे सरकार की योजनाओं की जानकारी समाज तक पहुंचाएं और अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ें। इस अवसर पर अपर निदेशक बेसिक शिक्षा कंचन देवरानी, प्रांतीय अध्यक्ष विनोद थापा, मण्डल अध्यक्ष प्रेमा खंतवाल, जयवीर सिंह खरोला, मनोज शाह, कुंवर सिंह राणा, दीवान सिंह, सूरज मंद्रवाल, उमेश सिंह नेगी, सुधीर व्यास, विजेंद्र भट्ट, भगत सिंह भंडारी एवं मुकेश काला सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन मुकेश काला ने किया।

शाह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने आवास पर तिरंगा फहराया

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बुधवार को यहां अपने आवास पर तिरंगा फहराया।

बाद में श्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा ÷ आज 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत अपने आवास पर तिरंगा फहराया। मोदी जी के नेतृत्व में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान आज देश को एकता के सूत्र में पिरोने और राष्ट्रप्रेम की भावना को और भी प्रबल बनाने वाला जन-अभियान बन गया है। यह अभियान दर्शाता है कि असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग, तप और समर्पण से जिस आजाद भारत का सपना साकार किया था, उसे विकसित और सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए 140 करोड़ देशवासी संकल्पित हैं।÷

उल्लेखनीय है कि सरकार हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश भर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करती है ।

यह प्रेस विज्ञप्ति समाचार शैली में इस तरह रूपांतरित हो सकती है

कोटद्वार के सात पुल अब एलईडी रोशनी से जगमग — विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने किया लोकार्पण

पथ प्रवाह

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने ?1 करोड़ 29 लाख की लागत से कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के सात प्रमुख पुलों पर स्थापित एलईडी स्ट्रीट लाइट्स का लोकार्पण किया।

सुखरो नदी के पुल पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनता की मौजूदगी में विधानसभा अध्यक्ष ने स्ट्रीट लाइट का स्विच ऑन कर इन्हें औपचारिक रूप से जनता को समर्पित किया।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री घोषणा संख्या-337 के अंतर्गत, राज्य वित्त आयोग से स्वीकृत इस परियोजना को शासन से अनुमोदन मिलने के बाद कार्य प्रारंभ हुआ था, जो अब पूर्ण हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का परियोजना की स्वीकृति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने कहा, ÷कोटद्वार के सभी सातों पुल – मालन, सुखरो, सिद्धबली, ग्रस्टानगंज, बीएल, गुल्लर और गाड़ीघाट – अब रात में भी सुरक्षित और रोशन रहेंगे। प्रमुख चौराहों पर भी लाइटें लगाई गई हैं, जिससे यातायात और नागरिकों की सुविधा में सुधार होगा।÷

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, नगर आयुक्त पी.एल. शाह, मंडल अध्यक्ष प्रेमा खंतवाल, पार्षद प्रमोद केष्टवाल, कमल नेगी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने की ओलंपियन सुशील की जमानत रद्द, आत्मसमर्पण करने का आदेश

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सागर धनखड़ हत्याकांड के आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार की जमानत रद्द करते हुए उसे एक सप्ताह में आत्मसमर्पण करने का बुधवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सागर के पिता अशोक धनखड़ की याचिका पर यह आदेश पारित किया। धनखड़ ने सुशील को दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से मार्च में दी गयी जमानत के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में अपील की थी। उन्होंने मामले के गवाहों को धमकाने का आरोप लगाते हुए जमानत रद्द करने की गुहार लगाई थी। आरोपी कुमार को मई 2021 में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में 27 वर्षीय पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

भारत-सिंगापुर के बीच स्वास्थ्य, कौशल, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

नयी दिल्ली। भारत-सिंगापुर के बीच यहां बुधवार को सम्पन्न मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) में दोनों पक्षों के बीच स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में विकास सहयोग पर सहमति बनी।

सम्मेलन में केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय दल और सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री एवं व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग ने अपने दल का नेतृत्व किया।

भारतीय दल में श्रीमती सीतारमण के साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भी शामिल थे।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने आईएसएमआर के तहत सहयोग और समन्वय के लिए निर्धारित गए छह स्तंभों पर विचार-विमर्श किया, जिनमें , डिजिटलीकरण, कौशल विकास, पारिस्थितिकी की दृष्टि से विकास के स्वस्थ मार्ग , स्वास्थ्य सेवा एवं चिकित्सा, उन्नत विनिर्माण और सम्पर्क सुविधाओं को मजबूत बनाने के विषय शामिल हैं।

चर्चा के दौरान भारतीय दल ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 में सिंगापुर यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया है।

सिंगापुर की ओर से वहां के राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वय मंत्री एवं गृह मंत्री के षणमुगम, विदेश मंत्री विवियन बाला , डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री एवं गृह मंत्री सुश्री जॉसेफीनी तेओ योग ली मिन, जनशक्ति मंत्री एवं व्यापार एवं उद्योग मंत्री टैन सी लेंग और कार्यवाहक परिवहन मंत्री एवं वरिष्ठ वित्त राज्य मंत्री जेफरी सिओ ने भी बैठक में भाग लिया। दोनों देशों के बीच इस उच्च स्तरीय वार्ता में आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के बारे में चर्चा की गयी।

मृत लोगों के साथ चाय पीने का अनुभव कराने के लिए आयोग का धन्यवाद : राहुल गांधी

नयी दिल्ली, 13 अगस्त (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा है कि उसके कारण उन्हें मृत लोगों के साथ चाय पीने का अनुभव हुआ है।

गांधी ने बिहार में मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में कथितरूप से मृत घोषित लोगों के साथ फोटो खिंचवाने और चाय पीने के बाद आयोग पर इस तरह का तंज कसा है।

गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, जीवन में बहुत दिलचस्प अनुभव हुए हैं, लेकिन कभी मृत लोगों के साथ चाय पीने का मौका नहीं मिला था। इस अनोखे अनुभव के लिए, धन्यवाद चुनाव आयोग।

कांग्रेस ने एक बयान में कहा, बिहार के उन सात मतदाताओं के साथ पार्टी नेता राहुल गांधी चाय पी रहे हैं जिन्हें चुनाव आयोग मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मृत घोषित हैं। चुनाव आयोग की एसआईआर सूची में उन्हें 'मृत' बताया गया है।

पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग

ने मृत, प्रवासी आदि घोषित लोगों की सूची सार्वजनिक रूप से प्रकाशित नहीं की है। ज़मीनी स्तर पर हमारी टीमें इन लोगों की पहचान केवल इसलिए कर पायी क्योंकि वे अनौपचारिक रूप से दो-तीन मतदान केंद्रों में चुनाव आयोग की आंतरिक जानकारी प्राप्त करने में कामयाब रहीं। ये सात मतदाता उस निर्वाचन क्षेत्र के दो-तीन मतदान केंद्रों में अन्यायपूर्ण तरीके से हटाए गए मतदाताओं का केवल एक छोटा सा हिस्सा हैं। यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है - यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक मताधिकार का हनन है।

कांग्रेस ने कहा कि बेंगलुरु में वोट चोरी का पर्दाफाश होने के बाद, यह स्पष्ट है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में भी समझौता किया गया है। जब जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया जाता है।

देख भक्ति से सराबोर उत्तराखंड। आजादी के जश्न में लहराया तिरंगा।

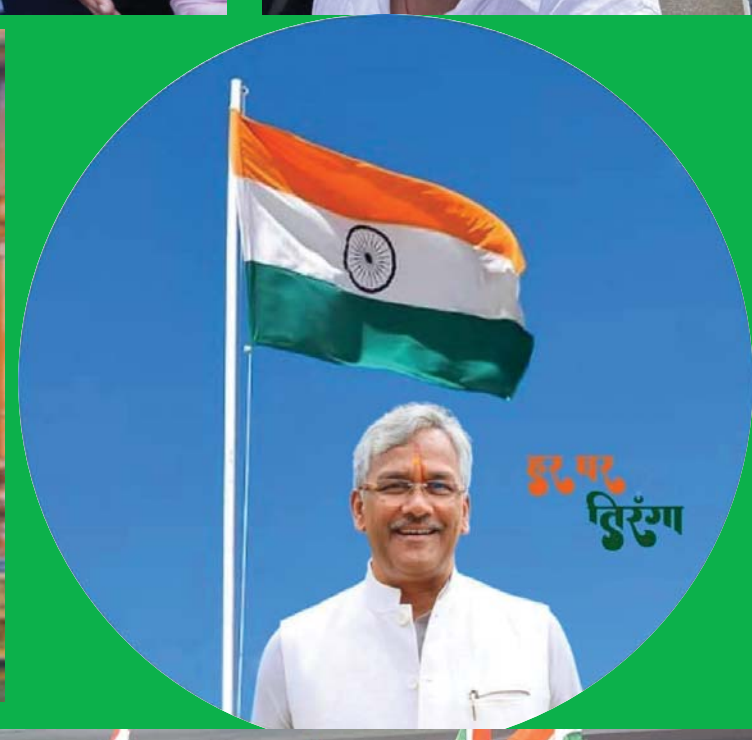

दौसा जिले में पिकअप के ट्रेलर से टकराने से 11 लोगों की मौत, 14 घायल

दौसा 13 अगस्त (वार्ता) राजस्थान के दौसा जिले के सैंथल थाना क्षेत्र में पिकअप के ट्रेलर से टकराने पर बुधवार तड़के सात बच्चों सहित 11 लोगों की मौत गई जबकि 14 अन्य घायल हो गए।

दौसा कलक्टर देवेन्द्र कुमार के अनुसार ?क्षेत्र में दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर बुधवार तड़के एक पिकअप गाड़ी सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि हादसे में दस लोगों की मौके पर मृत्यु हो गई और कई घायल हो गए। उन्होंने बताया कि नौ घायलों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया है और तीन घायलों को दौसा अस्पताल

में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तरप्रदेश में फिरोजाबाद के रहने वाले ये लोग राजस्थान से अपने घर लौट रहे थे।

उधर इस हादसे में गंभीर रुप से घायल एक महिला ने एसएमएस अस्पताल में दम तोड़ दिया। सैंथल थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 25 लोग हादसे की चपेट में आये थे उनमें 11 लोगों की मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि ये लोग राजस्थान में सालासर बालाजी एवं खाटूश्याम मंदिर के दर्शन कर लौट रहे थे कि यह हादसा हो गया।

हादसे पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं ने गहरा दुख जताया है।

श्री बागडे ने शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की।

श्री शर्मा ने हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि इसमें जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। जिला प्रशासन को घायलों का त्वरित एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की।

श्री बिरला ने हादसे पर शोक जताते हुए कहा कि दौसा में हुए भीषण सड़क हादसे में कई लोगों की मृत्यु और घायल होना अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में बच्चों और महिलाओं की मृत्यु का समाचार जानकर मन व्यथित है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान की प्रार्थना की।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com